संख्या–cm-62
29/01/2021

# मुख्यमंत्री ने प्रसिद्ध अर्थशास्त्री, सेंटर फॉर इकॉनोमिक पॉलिसी एंड पब्लिक फाइनेंस के निदेशक और आद्री के सदस्य सचिव शैवाल गुप्ता के पार्थिव शरीर पर पुष्प–चक्र अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

पटना, 29 जनवरी 2021 :– प्रसिद्ध अर्थशास्त्री, सेंटर फॉर इकॉनोमिक पॉलिसी एंड पब्लिक फाइनेंस के निदेशक और आद्री के सदस्य सचिव शैवाल गुप्ता के बैंक रोड स्थित आवास पर जाकर मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प–चक्र अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और दिवंगत आत्मा की चिर शांति के लिये ईश्वर से प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने स्व0 शैवाल गुप्ता के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, शिक्षा मंत्री श्री अशोक चौधरी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं वरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

पत्रकारों से बातचीत करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व0 शैवाल गुप्ता को स्वास्थ्य संबंधित कुछ समस्यायें थी, उनका इलाज चल रहा था। स्वास्थ्य संबंधित समस्यायें होते हुये भी वे अपने काम में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं आने देते थे और उनकी यह खास बात थी। वे हर तरह की चीजों के बारे में जानकारी रखते थे। बिहार में उन्हें विशेष जिम्मेवारी दी गई थी। स्व0 शैवाल गुप्ता राज्य की इकोनॉमिक सर्वे तैयार करने में अहम भूमिका निभाते थे। बिहार के डेवलपमेंट के लिए जो उनका आइडिया था, वह बहुत अच्छा था। स्व0 शैवाल गुप्ता से हमारा संबंध बहुत पहले का है। बहुत जमाने से ही उनसे मेरा व्यक्तिगत तौर पर संबंध रहा है। जिस प्रकार से तबीयत खराब होने पर भी वे काम करते रहते थे, यह उनकी बड़ी खास बात थी। मुझे कल पता चला कि कुछ दिनों से उनकी तबीयत काफी खराब चल रही है, मुझे लगा कि स्व0 शैवाल गुप्ता ठीक हो जायेंगे। पारस अस्पताल के चिकित्सकों से भी मेरी बातचीत हुई, स्व0 शैवाल गुप्ता के बच्ची से भी मेरी बात हुई। लेकिन कल शाम 07 बजे के बाद ही उनकी मृत्यु हो गई। हमलोगों को काफी दुख हुआ। उनकी कमी हमेशा खलेगी। उनके चले जाने से काफी तकलीफ है। हर क्षेत्र में उनकी गतिविधियां थी। बिहार के बारे में हो या देश के बारे में हो या देश के बाहर के बारे में हो, वे हर तरह की जानकारी रखते थे। सभी चीजों पर उनका एक अपना दृष्टिकोण रहता था। आर्थिक मामलों के साथ–साथ अन्य मुद्दों पर भी वे आर्टिकल लिखते रहते थे। हमलोगों के साथ उनकी हमेशा बातचीत होती रहती थी। वे एक विद्वान एवं सक्रिय व्यक्ति थे। उनके निधन से हमलोग काफी तकलीफ में है। उनके प्रति हमलोगों अपनी संवेदना प्रकट करते हैं। उन्हें सदैव याद रखा जायेगा।

******